1	2	3
3. Dwarkadas Library, Chandigarh (through Servants of Peoples' Society Lajpat Nagar, New Delhi) . .		20,000

The State Plan includes a scheme for development of libraries. It is not possible to indicate the Central grant on this scheme as Central assistance is not allocated scheme-wise.

आदिवासी

२३७८. **श्रीमती जमुना देवी** : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के किस जिले में आदिवासियों का प्रतिशत सबसे ज्यादा है तथा वह प्रतिशत कितना है ;

(ख) क्या उस जिले में आदिवासियों के उत्थान हेतु कुछ विशेष योजनायें चलाई जा रही हैं; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर हां में हो, तो उन विकास योजनाओं का क्या विवरण है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती चन्द्रशेखर) : (क) नागालैण्ड के मोकोकचुंग, कोहिमा तथा लेन्सांग जिले । जनसंख्या के सही आंकड़े मांगे गए हैं, तथा प्राप्त होने पर पर सभा पटल पर रख दिय जायेंगे ।

(ख) जी हां ।

(ग) जिलेवार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । नागालैण्ड के लिए समग्र रूप से तृतीय पंचवर्षीय योजना की अवधि के लिए ७१५ लाख रुपय का उद्व्यय स्वीकार किया गया है । कृषि, यातायात, कुटीर उद्योगों, शिक्षण तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तृत विकास के लिए प्रबन्ध किया गया है ।

एन० एच० टी० ए० के ग्रामीण क्षेत्र को १२ विकास खण्डों में परिसीमित किया गया है, जिनमें से दो आदिवासी विकास खण्डों के रुप में समझे जायेंगे, जहां पर अधिक प्रकृष्ट विकास सम्भव होगा । १२ खण्डों के हेतु तृतीय योजना के लिए स्वीकृत उद्व्यय ८३ लाख रुपय है ।

12.04 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Explosion in Nautanwa on India-Nepal border, U.P.

Shri Hem Barua (Gauhati): Mr. Speaker, under rule 197, I call the attention of the Prime Minister to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

"The reported explosion in Nautanwa on the India-Napal border, U.P."

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru): Sir, there was an explosion on the 13th May on the top floor of a three-storey house at Nautanwa in the district of Gorakhpur just adjoining the Nepal border. The house belongs to an Indian national but has been rented out to two well-known Nepali nationals who had land immediately on the other side of the border. They have a servant who is an Indian national, named Makhru, who has found at the time of the explosion and who was arrested together with the others. The Police registered a case under section 5 of the Explosive Substances Act. It was subsequently found that the explosion was not caused by a hand grenade but it was rather like a cracker and appeared to be a country made bomb. Makhru, the servant, was apparently in the habit of making some little booby-traps, as they are called, to put in the land on the other side of the border to prevent the animals or undesirables going there. I do not know whether this one was for that purpose or for another purpose.

So far as the facts are concerned, these are all the facts I know.

Shri Hem Barua: How far this allegation that these border areas on Indo-Nepal frontier are being utilised by the Nepalese revolutionaries for their revolutionary activities against the Government of Nepal is true? It is a fact, what steps have Government taken to see that they are not utilised in that manner

Shri Jawaharlal Nehru: The Government here and the State Government concerned have made it perfectly clear that they do not wish India to be made a base for any violent activities across the border. On the whole they have succeeded and I do not think that India has been utili ed for that purpose. But it is a long open border which anybody can cross and it is impossible to say when few persons cross here and there.

FAILURE OF PAKISTAN TO INTIMATE ABOUT LOCUST INVASION

Mr. Speaker: I have got notice of another one by Shri Brij Raj Singh, Shri Bade, Shri Yudhvir Singh, Shri Lahri Singh and Dr. L. M. Singhvi. Shri Brij Raj Singh may read it out.

Shri Bade (Khargone): I will read it out.

Mr. Speaker: Yes, he may do so.

श्री बडे : महोदय, प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम १९७ के अन्तर्गत मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न लिखित विषय की ओर खाद्य एवं कृषि मंत्री का ध्यान दिलाने और मंत्री महोदय से उस पर एक वक्तव्य देने की प्रार्थना करने की सूचना देना चाहता हूं :

अमृतसर जिले में टिड्डियों के एक बड़े दल ने २९ मई, १९६२ की शाम को पश्चिम पाकिस्तान की ओर से वेग किया और अनेक गावों में फसलों को भारी क्षति पहुंचाई। इस सम्बन्ध में प्रकाशित समाचार में यह भी बताया गया है कि टिड्डियों के इस दल के गुजरने के बाद पाकिस्तान के अधिकारियों ने अमृतसर के स्थानीय अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी, जैसा कि अन्तर्राष्ट्रीय टिड्डी-नियंत्रण की प्रणाली के अन्तर्गत आवश्यक था।

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : जैसा कि अभी कहा गया, २९ मई को संध्या समय टिड्डियों के एक दल का आक्रमण हुआ अमृतसर जिले पर। मगर दूसरे ही दिन यह सारा टिड्डी दल पाकिस्तान की ओर चला गया, और इसलिए पाकिस्तान की तरफ से यदि कोई सूचना नहीं आयी तो उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।

अध्यक्ष महोदय : मगर सवाल सिर्फ इतना था जिस वास्ते मैं ने इजाजत दी कि क्या कोई इंटरनेशनल एग्रीमेंट है हमारे और पाकिस्तान के दरम्यान कि अगर ऐसा टिड्डी दल आए तो एक मुल्क दूसरे को इत्तला दे और इस हालत में उन्होंने इत्तला नहीं दी। सवाल सिर्फ यह था।

डा० रामसुभग सिंह : जी हां यहसमझौता है कि एक दूसरे को इत्तला देनी चाहिए, और दोनों देशों के टैकनिकल एक्सपर्ट अक्सर मिलते हैं और सारी बातों पर विचार करते हैं शायद यह आक्रमण यक बयक हुआ इसलिये उन्होंने सूचना ही दी लेकिन लन्दन के इंटर नेशनल लोकस्ट कंट्रोल बोर्ड की तरफ से दोनों देशों को इसकी सूचना दी गयी थी, भारत को और पाकिस्तान को, कि टिड्डियों के आक्रमण होंगे और उसका मुकाबला अच्छी तरह से किया जाना चाहिए। (Interruption)

श्री बडे : इससे यह इम्प्रेशन तो नहीं मिलता कि पाकिस्तान के अपने से स्ट्रेन्ड रिलेशन्स हैं इसलिए पाकिस्तान ने हमसे इस बारे में नान-कोआपरेशन किया और सूचना नहीं दी।